साईं पूजन

सुमन कौल

''उँ गणेश''

ऊँ श्री

शिरडी सत्य साई

बाबा प्रसन्नां

साई पूजन

श्लोक व भजन

प्रकाशक :–

सुमन पब्लिकेशन

(43सेक्टर 8 त्रिकूटा नगर जम्मू तवी)

मूल्य 10/– रू.

लेखकः- ''सुमन कौल''
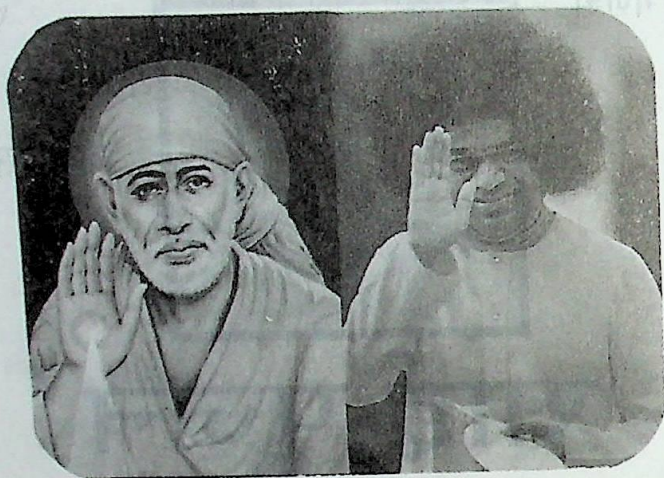
ॐ साई गणेश

वनदऊँ गणपति चरण कमल वन्दऊं आदि गणेश!

वन्दऊँ दुर्गा जगदम्बे पूरण महेश!

वन्दऊँ आदि देव मैं भक्तिभाव के साथ!

हे गणपति रक्षा करो कीजो हमे सनाथ!

ब्रह्माक्षर ''ॐ' का 21 बार उच्चारण

ॐ कारम बिन्दु संयुक्त नित्यं ध्यायन्ति योगिनः।

कामद्धं मोक्षदं यैव ॐकाराय नमोनमः॥

भगवान–श्री सत्य साई सुप्रभातम

1. ईश्बराम्बासुतः श्रीमन पूर्वासंध्या प्रवर्तते
   उत्तिष्ठ सत्यसाईश, कर्त्तव्यं दैवमाह्निकम ॥
2. उत्तिष्ठोत्तिष्ठ पर्तीश, उत्तिष्ठ जगती पते।
   उत्तिष्ठ करूणापूर्णा , लोकमंगल सिद्धये॥
3. चित्रावतीतट विशाल मुशान्त सौद्धे, तिष्ठन्ति
   सेवकजनास्तवदर्शनार्थम। आदित्यकान्तिरनुभाति समस्त
   लोकान श्री सत्य साई भगवन तव सुप्रभातम॥
4. आदाय दिव्यकुसुमानि मनोहराणि, श्रीपादपूजनविधिम भव
   दंध्रि मूले। कर्तूम महोत्सुकतया प्रविशन्ति भक्ताः, श्री सत्य
   साई भगवन तव सुप्रभातम।

5. देशान्तरागत बुधास्तव दिव्यमुर्तिम ।संदर्शनाभिरति संयुत चित्तवृत्या। वेदोक्त मंत्र पठनेन लसंत्यजस्रम, श्री सत्य साई
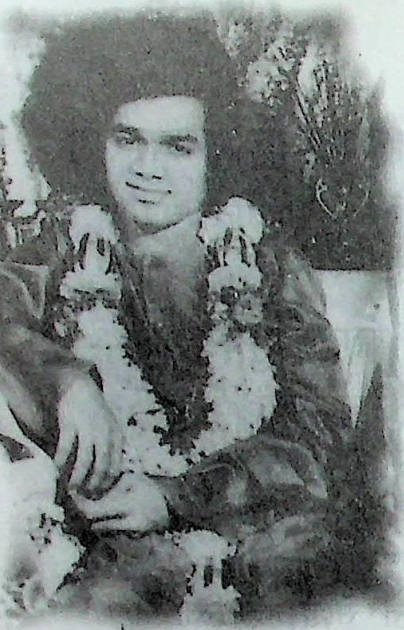
भगवन तव सुप्रभातम।

6. श्रुत्वा तवादभुत यरित्रमखंडकीर्तिम, व्यांप्तं दिगन्तर विशाल धरातलेस्मिन। जिज्ञामुलोकउपतिष्ठति चाश्रमेस्मिन, श्री सत्य साई भगवन तव सुप्रभातम॥

7. सीता सती समविशुद्ध हृदंव जाता:, बह्वंगना: कर गृहीत सुपुष्प हारा:। स्तुँवन्ति दिव्यनुतिभि: फणिभूषणंत्वाम, श्री सत्य साई भगवन तब सुप्रभातम ।

8. सुप्रभातमिदं पुण्य, ये पठन्ति दिने दिने, ते विशन्ति परंधामं,

ज्ञान विज्ञान शोभिता:। मंगलं गुरू देवाय, मंगलं ज्ञान दाइने, मंगलं पर्तिवासाय, मंगलं सत्य साईने॥

श्री साईं वन्दना

साई शंकर साई ब्रह्मा साई आप नारायण॥
साईं प्रभू दात्तात्रेय करो सदा तिन के गुणागायन।।
साईं जग के भाग्यविधाता साई भक्ति मुक्ति दाता।।
साईं से है सच्चा नाता साईं मात पिता गुरू भ्राता॥
साईं शरण में जो भी आता पुरण साईं दया है पाता॥
जनम मरण ता का छुट जाता न फिर आता ना वै जाता।
जै जै जै अवधूत पिता शरण तेरी हम आए।।
माया के प्रपंच से हम को ल्यो बचाए॥
जैजै साईं दातात्रेय जै त्रिभुवन के नाथ॥
जगहितकारण अवतरे कीन्हो हमें सनाथ॥

भगवान श्री सत्य साई बाबा

अष्टोत्र शतनामावलि

1.ओउम श्री भागवान सत्य साई बाबाय नम: 2.ओउम श्री साई सत्यस्वरूपाय नम: 3.ओउम श्री साई सत्यधर्मपरायणाम

नम: 4 .ओउम श्री साई सत्पुरूषाय नम: 5 .ओउम श्री साई सत्यगुणात्मने नम: 6 .ओउम श्री साई साधुजनपोशणाय नम: 7 .ओउम श्री साई सर्वज्ञाय नम:8 .ओउम श्री साई सर्वजनप्रियाय नम: 9 .ओउम श्री साई वरदाय नम: 10 .ओउम श्री साई साधुवर्धनाय नम: 11 .ओउम श्री सर्व सर्वशक्ति मुतर्ये नम:12 .ओउम श्री साई सर्वेशाय नम: 13 .ओउम श्री साई सर्वसंगपरित्यागिने नम: 14 .ओउम श्री साई सर्वान्तर्यामिने नम:15 .ओउम श्री साई महिमात्मने नम:16 .ओउम श्री साई महेश्वरस्वरूपाय नम: 17 .ओउम श्री साई पर्तिग्रामोदभावय नम:18 .ओउम श्री साई पर्तिक्षेत्रनिवासिने नम:19 .ओउम श्री साई यश.काय शिरडीवासिने नम: 20 .ओउम श्री साई जोडिआदिपल्लीसोमप्पाय नम:21 .ओउम श्री साई भारद्वाज ऋषिगोत्राय नम: 22 .ओउम श्री साई भक्तवत्सलाय नम: 23 .ओउम श्री साई अपान्तरात्माय नम: 24 .ओउम श्री साई अवतारमूर्तये नम: 25 .ओउम श्री साई सर्वभयनिवारिणे नम: 26 .ओउम श्री साई आपस्तम्बसूत्राय नम:27 .ओउम श्री साई अभयप्रदाय नम:28 . ओउम श्री साई रत्नाकरवंशोदभावायनम: 29 .ओउम श्री साई

शिरडीसाइअभेदशक्तयावताराय नम:30.ओउम श्री साई शंकराय नम:

31.ओउम श्री साई शिरडीसाईमूर्तये नम:

32. ओउम श्री साई द्वाराकामाइवासिने नम:

33. ओउम श्री साई चित्रावतीतटपुट्टपर्ति विहारिणे नम:

34. ओउम श्री साई शक्तिप्रदाय नम:

35. ओउम श्री साई शरणागतत्राणाय नम:

36. ओउम श्री साई आनन्दाय नम:

37. ओउम श्री साई आनन्ददाय नम:

38. ओउम श्री साई आर्तत्राणपरायणाय नम:

39. ओउम श्री साई अनाथ नाथाय नम:

40. ओउम श्री साई असहायसहायाय नम:

41. ओउम श्री साई लोकबान्धवाय नम:

42. ओउम श्री साई लोकरक्षापरायणाय नम:

43. ओउम श्री साई लोकनाथाय नम:

44. ओउम श्री साई दीनजनपोषणाय नम:

45. ओउम श्री साई मूर्तित्रयस्वरूपाय नम:

46. ओउम श्री साई मुक्तिप्रदाय नम:

47. ओउम श्री साई कलुविदूराय नम:
48. ओउम श्री साई करूणाकंराय नम:
49. ओउम श्री साई सर्वाघाराय नम:
50. ओउम श्री साई सर्वह्वदवासिने नम:
51ओउम श्री साई पुण्यफलप्रदाय नम:
52. ओउम श्री साई सर्वपापक्षयकराय नम:
53. ओउम श्री साई सर्वरोगनिवारिणै नम:
54. ओउम श्री साई सर्वबाधाहराय नम:
55. ओउम श्री साई अनन्तनुतकर्तनाय नम:
56. ओउम श्री साई आदिपुरूषाय नम:
57. ओउम श्री साई आदिशक्तये नम:
58. ओउम श्री साई अपरूप शक्तिने नम:
59. ओउम श्री साई अव्यक्तरूपिणे नम:
60. ओउम श्री साई कामक्रोधध्वंसिने नम:
61. ओउम श्री साई कनकामबरधारिणे नम:
62. ओउम श्री साई अदभूतचर्याय नम:
63. ओउम श्री साई आपदबान्धवाय नम:
64. ओउम श्री साई प्रेतात्मने नम:

65. ओउम श्री साई प्रेममूर्तये नम:
66. ओउम श्री साई प्रेमप्रदाये नम:
67. ओउम श्री साई प्रियाय नम:
68. ओउम श्री साई भक्तप्रियाय नम:
69. ओउम श्री साई भक्तमन्दराय नम:
70. ओउम श्री साई भक्तजनहृदयविहाराय नम:
71. ओउम श्री साई भक्तजनहृदयालयाय नम:
72. ओउम श्री साई भक्तपराधीनाय नम:
73. ओउम श्री साई भक्तिज्ञानप्रदीपाय नम:
74. ओउम श्री साई भक्तिज्ञानप्रदाय नम:
75. ओउम श्री साई सुज्ञानमार्गदर्शकाय नम:
76. ओउम श्री साई ज्ञानस्वरूपाय नम:
77. ओउम श्री साई गीताबोधकाय नम:78.ओउम श्री साई ज्ञानसिद्धिदाय नम:79.ओउम श्री साई सुन्दररूपाय नम:80.ओउम श्री साई पुण्यपुरूषाय नम:81.ओउम श्री साई फलप्रदाय नम:82.ओउम श्री साई पुरूषोत्तमाय नम: 83.ओउम श्री साई पुराणपुरूषाय नम:84.ओउम श्री साई अतीताय नम:85.ओउम श्री साई कालातीताय नम:

८6.ओउम श्री साई सिद्धिरूपाय नम:87.ओउम श्री साई सिद्धसंकल्पाय नम:88.ओउम श्री साई आरोग्यप्रदाय नम: 89.ओउम श्री साई अन्नवस्त्रदाय नम:90.ओउम श्री साई संसारदु:खक्षयकराय नम:91.ओउम श्री साई सर्वाभिष्टप्रदाय नम:92.ओउम श्री साई कल्याणगुणाय नम:93.ओउम श्री साई कर्मध्वंसिने नम:94.ओउम श्री साई साधुमानसशोभिताय नम:95.ओउम श्री साई सर्वमतसम्मताय नम:96.ओउम श्री साई साधुमानस परिशोधकाय नम:97.ओउम श्री साई साधुकानुग्रह वटवृक्षप्रतिष्ठापकाय नम:98.ओउम श्री साई सकलसंशयहराय नम:99.ओउम श्री साई सकलतत्व बोधकाय नम:100.ओउम श्री साई योगीश्वराय नम: 101ओउम श्री साई योगोन्द्रवन्दिताय नम:102.ओउम श्री साई सर्वमंगलकराय नम:103.ओउम श्री साई सर्वसिद्धिप्रदाय नम104.ओउम श्री साई आपन्निवारिणे नम:105.ओउम श्री साई आर्तिहराय नम:106.ओउम श्री साई शान्तमूर्तये नम:107.ओउम श्री साई मुलभप्रसन्नाय

नम:08 .ओउम श्री साई भगवान सत्य साई बाबाय नम:

प्रदिक्षणा मंत्र

यानि कानि च पापानी, जन्मान्तर कृतानिच।
तानि तानि विनश्यंतु, प्रदिक्षणायां पदे पदे।।

क्षमा प्रार्थना

मंत्र हीनं क्रियां हीनं, भक्ति हीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितम मया देव, परिपूर्ण तदस्तुमे॥
आवाहन न जानामि, न जानामि विसर्जनम।
पूजां चैव न जानामि, क्षमस्व साई महेश्तरा॥
कर चरण कृत्तं वाक–कायंज कर्मज वा।
श्रवणा नयनजं वा मानसं वापराधम॥
विहितमविहितं वा सर्वमेतत्क्षमस्व।
जय जय करूणाबधे, श्री महादेव शंभो।।

सर्व धर्म प्रार्थना

ओउम तत्सत श्री नारायण तू, पुरूषोतम
गुरू तू सिद्ध बुद्ध तू, स्कंद विनायक: सविता पाक तू।

ब्रह्म मज्द तू, यह शक्ति तू, इशु पिता प्रभु तू ।
रूद्र विष्णु तू, राम कृष्ण तू ,रहीम ताओ तू।
वासुदेव गौ विश्वरूप तू, चिदांनन्द हरि तू अद्वितीय तू,
अकाल निर्भय, आत्मलिंग शिव तू॥

आत्मलिंग शिवत तू....साई आत्मलिंग शिवत तू

ध्यान (3 से 5 मिनट मोन)

अस्तो मा सदगमय , तमसो मा ज्योर्तिगमय , मृत्योंमा अंमृतगम ॥

बोलो अंजनी कुमार हनुमान जी की जय -2

सीता राम जी की जय राधे श्याम जी की जय,बोलो अंजनी...

बोलो पवन कुमार हनुमान जी की जय

बोलो शिव त्रिपुरारी हनुमान जी की जय।...

आरती

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी सत्य साई हर,

भक्त जना सरंक्षक, पर्तिमहेश्वरा ॥ (ओउम जय) ॥

शशिवदना श्रीकरा सर्वाप्राणपते, स्वामी सर्वाप्राणपते

आश्रित कल्पलतिका, आपद बान्धवा (ओउम जय) ॥

मात–पिता गुरू–दैवम मरि अन्तयु नीवे, मरि अन्तयु
नीवे, नाद ब्रह्म जगन्नाथा, नागेन्द्राशयना (ओउम जय....

ओंकार रूप ओजस्बी ओ साई महादेवा सत्य साई महादेवा

मंगल आरती अन्दुको, मंगल गिरधारी (ओउम जय..

नारायण नारायण ओउम सत्य, नारायए नारायण नारायण
ओउम, नारायण नारायण ओउम, सत्य नारायण नारायण
ओउम ,सत्य नारायण नारायण ओउम, ओउम जय सदगुरू देवा

श्री साई गायत्री महामंत्र

ॐ साईश्वराय विदमये , सत्य देवाय धीमहि तन्न सर्व प्रचोदयात्।

ॐ साई रामाय विदमहे, आत्मरामाय धीमहि तन्नों सर्व प्रचोदयात्।

ॐ शान्ति–शान्ति–शान्ति (९)॥

साई भजन

1. पा लिए हमने सद गुरू चरणा ।

सद गुरू चरना भव भय हरना । पालिये ......

श्री साई चरणा सब दुख हरना ।

सद गुरू चरणा भव भय हरना ।::

2. राम रमापति रामा, साई राम साई राम साई रामा

शंकर के डमरू से निकला राम रमापति रामा

साई राम साई राम साई रामा :नारद की वीना से

निकला राम रमापति रामा साई राम साई राम साई रामा ।

भक्तों के कंठों से निकला साई राम साई,साई,साई क्षामा

3. साई भजन बिना सुख शान्ति नहीं।

हरि नाम बिना आनन्द नहीं ॥ साई भजन ॥

प्रेम भक्ति बिना उदार नहीं, गुरू सेवा बिना

निरवाण नहीं, जप ध्यान बिना संयोग नहीं

प्रभू दर्श बिना प्रज्ञान नहीं, दया धर्म बिना संत कर्म नहीं

भगवान बिना कोई अपना नहीं साई राम बिना

परमात्मा नहीं ॥ सत्य साई बिना परमात्मा नहीं

4. आना ही पडेगा बाबा आना ही पडेगा ।
भक्तों ने है आज पुकारा -2
हमने पुकारा बाबा सब ने पुकारा-2
दे दो दे दो हमकों सहारा -2
आना ही पड़ेगा बाबा, आना ही पडेगा बाबा
शिरडी से आवो चाहे पर्ती से आओं मथुरा से आओ या
आयुध्या से आओ मक्का से आओ या मदीना से
आओ ओ मेरे बाबा, ओ मेरे साई
तुम कही से भी आओ । आना ही पडेगा आना ही पडेगा...

5. इक बार क्षमा करो साई मेरे बाबा श्री सत्य साई-2
क्षमा मूर्ति साई बाबा प्रेम मूर्ति सत्य साई -2
एक बार क्षमा करो साई मेरे बाबा श्री सत्य साई
शिरडी के साई तेरी द्वारका माई पर्ती के साई तेरी
याद मुझे आई ।इक बार क्षमा करो साई......
हदृय बिहारी आजाओं आजाओ :
जाने अन्जाने किये पाप घनेरे कब तक गिनोगे प्रभू
अवगुण मेरे, सकल हारी आजाओ-आजाओ

6. साई मुरारी धनश्याम मुरारी साई मुरारी आजाओ
तुम हो सत्य सनातन साई, घटघट वासी अन्तरयामी
हृदय बिहारी आजाओं:

7 चलो मेरे साथ बाबा रहो मेरे साथ बाबा
मेरे काम कर देना बाबा यह है विन्ती मेरी साई बाबा !
साई नाथ महा गुरू देवा सदा साथ हमारा देना
साई आके रहो मेरे दिल में साई साथ रहो हर पल में
साई जगह देदो चरनन में चलो मेरे साथ ॥ बाबा---

8. हरि ओं तत सत , हरि, ओं तत सर ,
हरि ओ तत सत, हरि ओं ।
कृष्णा, कृष्णा, कृष्णा, कृष्णा जय राधे कृष्णा ।
गोविन्दा गोविन्दा भजो राधे गोविन्दा
गोपाला गोपाला भजो कृष्ण गोविन्दा हरि ओं तत सत ,
हरि ओं तत सत, हरि ओं तत सत हरि ओं ।

10. भजन करो मनवा गोविन्द हरि ।।
मथुरा राधा हे गिरधारी राधा माधव हे गिरदारी
भजन करो मनवा गोविन्द हरे:
कभी राम बन के ॥ कभी श्याम बन के,

प्रभू जी चले आना साई बनके कभी राम रूप बनाना,
सीता साथ लेके आना ,धनुष हाथ लेके आना, प्रभू जी चले
आना, साई बनके कभी भोला रूप बनाना, गोरा साथ लेके
आना , डमरू हाथ लेके आना प्रभु जी चले आना साई
बनके ॥ कभी कृष्ण रूप बनाना, राधा साथ लेके आना,
बंसरी हाथ लेके आना, प्रभू जी चले आना साई बनके :
कभी मां का रूप बनाना हाथ में त्रिशूल लाना,
शेर पर सवार आना, प्रभू जी चले आना साई बनके ।
कभी साई रूप बनाना ढोलक साथ लेके आना,
चिमटा हाथ लेके आना । प्रभू जी चले आना साई बनके :

11. पाइयां तेरे दर तो रहमतां हजारा–2
शुकुर गुज़ारा साई शुकुर गज़ारा।
रहंमता न देख अंखा हंस पाइयां रोदिया,
असी तेरे कौन साथों सिफता न होइया
शुकुर गुज़ारा साई शुकुर गुजारा
कौडिया दा मुल नहीं सी हीरियां दा पै गिया –2
जदों दा मैं साई तेरे चरणों विच बह गिया–2
साई राम, साई राम बोलन मेरे मन दीयां तारा

शुकुर गुजारा साई, शुकुर गुजारा पाईय द पे........

12. मोहे अति प्रिय लागे साई राम के चरण –2

साई राम के चरण हनुमान के चरण मोहे, अति::

दया निधिं के चरण करूणा निधि के चरण, मोहे–2

दया सिन्धु के चरण करूणा सिंधु के चरण, मोहे–2

13 राम रहीम को भजने वाले तेरे पुजारी बाबा–2

तेरा नाम एक सहारा –2साई नाम एक सहारा–2:

तुम्ही हो गीता तुम्ही रामायण

तुम्ही हो वेद कुराण तेरा नाम ....

सत्य धर्म की ज्योति जलाने आए पर्ती बिहारी

हो देखो आए पर्ती बिहारी –2

हो देखो आए कुंज बिहारी, तेरा नाम:

14. जय गुरू जय गुरू साई राम–2

जगद गुरू सत्य साई राम::2

ब्रहमा विष्णु , शिव साई राम,परब्रहम रूप साई राम –2

माता, पिता गुरू साई राम जगद गुरू सत्य साई राम –2

साई राम साई राम :::

15. मरे नाथों के नाथ, मेरे जटा धारी नाथ

मेरे गंगा धारी नाथ , शंकर साई आज मेरी कामना
पूर्रण करो, भोले जी रोज मुझको , दर्शन दिया करो
कैलाश पर्वत सदा शिव , उनका रूप स्वाया।
श्री अमरनाथ स्वामी जी बैठे, गणपत झोली पाया।
मेरे नाथों जी के नाथ , मेरे जटा धारी नाथ,
मेरे पार्वती के नाथ, शंकर आज मेरी कामना पूण करो
भोले जी रोज मुझको , दर्शन दिया करो
काहे को तेरी रोटी बने , काहे को तेरा साग
काहे की तेरी भाजी बनी , खावे भोला नाथ
मेरे जटा धारी नाथ ....
अके की तेरी रोटी बनी तलूरिया धा साग
कामना की भाजी बनी खावे भोला नाथ
मेरे नाथू जी के नाथ.......

16. ऐसी कृपा करो मेरी मैया। जग मे न हो कोई भूल
साई मॉ तेरी पूजा करू ।तुम मेरे संग ओर साथ ही रहना
काटे भी बन जाये फूल । साई मां तेरी पूजा करू।
मन में मेरे इक अभिलाषा। मुझे दे दो चरणों धूल ।

साई मां तेरी पूजा करू। मुझे दे ......

17. सबका भला

सबका भला करो साई राम , सबका दुख हरो साई राम ॥
सबके आप संवारो काम, जय हो तेरी साई भगवान॥
तुझको बार बार प्रणाम , सबको सन्मति दे साईराम ॥
उपजे सबके हृदय में ज्ञान, हेवे दूर सभी अज्ञान: मिलकर
करे तेरा गुण गान, सबके पूर्णकर दो काम ॥
कर दे सब मुशिकल आसान, सेवा का मन मे ध्यान ॥
होवे गुरुजनो का मान, भारत की हो ऊंची शान ॥
''बाबा'' हम मागत है वरदान, सारे विश्व का हो कल्याण॥

18. तुझे बाबा होना मेहरबान चाहिये॥

पतित हूं तो क्या फिर भी बालक हूं तेरा ॥
कपूत का भी बाबा को ध्यान होना चाहिये॥
गोद बिठाओं या चरणों लगाओ ॥
हमे शक्ति भक्ति का वरदान चाहिए॥ तुझे बाबा---
जगत रूठे तो मुझको चिन्ता नहीं है॥
तुझे बाबा होना मेहरबान चाहिये॥

19. साई, साई, साई , साई -----

तेरी महिमा है निराली ॥
जो तुझे सिमरे सो सुख पावे॥
ऋदि सिद्धि परवान करे तु ॥
दया करे धनवान करे ॥

ब्रहस्पतिवार को पूजा करियो ।।
ध्यान बाबा का धरियो ।। साई साई---
घी का सुन्दर द्वीप जला के ।।
श्रद्धा भाव से मंत्र गाओ ।।
मनो कामना पूर्ण होगी ।। साई साई--

20. जय शिरडी जय साई बाबा ।।
क्रोध को शान्त बनाने वाले ।।
मीठे बोल सिखाने वाले ।।
सुन्दर भाव को लाने वाले ।।
हर संकट से बचाने वाले ।।
पर्तीपुर अस्थान तुम्हारा ।।
दुनिया भर में मान तुम्हारा ।।
तेरा नाम रटू मैं बाबा ।।
जगत की रक्षा करो बाबा ।।
जय शिरडी जय साई बाबा-----

21. मुझपर दया करो साई राम ।।
सब की सुनते साई भगवान ।।
सुख पहुचाते हो साई राम ।।

तेरे दर्शन का मैं प्यासा॥
पूर्ण कर दो मेरी आशा॥
तेरे दर पर किया है डेरा॥
दूर करो बाबा संकट मेरा॥

22. मेरे बाबा तू मेरे दिल में है॥ (लम्बे टून मे)
तेरे दर पर किया है डेरा ॥
बाबा–दूर करो– संकट यह मेरा ॥
मेरा प्रणाम स्वीकार कर दो॥
सबका सुनते हो साई बाबा॥
सुख पहुचातें हो साई बाबा॥
पूर्ण कर दो मेरी आशा॥
मेरे बाबा-------

23. ॥ जगत गुरू सत्य साई राम ॥
सब के मन की जानन हारी॥
तेरी जोत जलाता हूं मैं॥
हर दम तुम्हें ध्याता हूं मैं॥ जगत गुरू सत्य-----
कई नामों से तुम्हे पुकारा॥

गुण गाये तेरे भक्त सारे ॥

करें पुकार तुम्हारे द्वारे ॥ भक्ति अपनी हमें दिलाना ॥

हमे एक है तेरा सहारा ॥ जगत गुरू-----

24 . तेरा ही आसारा हे साई बाबा, साई बाबा

सारा संसार तुझको ध्यावे॥ तेरे ही गुण गान सब ही गावे॥

हर मुशिकल में तुझे बुलावे ॥ तू ही विजय दिलाने वाला॥

तेरा ही ------

मेरे मन की जानो बाबा ॥ मेरा दुख पहचानों बाबा ॥

मेरे विनती मानो बाबा॥ दर से न खाली जाने दो बाबा॥

तेरा ही आसारा-------

25. करू वन्दना में भी सत्य साई बाबा की ॥

करू वन्दना मैं भी सिर को झुका कर ॥

चरण वन्दना करती हूं सुख नन्दन की ॥

ब्रहस्पतिवार को नित्य प्रति पढ़े तेरी वाणी

पूरी तो बाबा करना उसका अरमान

जय शिरडी जय जय साई बाबा॥

चरणन में शीश झुकाऊं बाबा॥

तेरे ही गुण गाऊ बाबा॥ तू ही कष्ट मिटाने वाला॥

जय शिरड़ी-----

तीन लोक विस्तार तुम्हारा ॥ चारो दिशाओ में बसेरा॥

जग सारा बोले जय जय कारा

जय शिरडी जय जय साई -----

26 हमारे साई को लाखो प्रणाम है॥

लाखों प्रणाम लाखों प्रणाम है ॥

तू मां बनके करते हो हमसे प्यार ॥

तू लक्ष्मी बनके भरते हो भंडार ॥

कृपा से तेरी मिलते है आराम ॥

हमारे साई को लाखो प्रणाम-----

गंणो से है पूरण मिटाते हो दुख॥

तु दासो को अपने पहुंचाते हो सुख ॥

कई रूप तेरें कई नाम हैं

हे साई तुम्हे------

27. साई साई मेरे साई ॥ साई साई सबके साई

दर्शन दे दो मेरे साई ॥ वेदो ने पार ना पाया है॥

कैसी शक्ति मेरे साई की है॥

लिखते -लिखते साई- साई मेरा भी मन हर्षाया है॥

34. शिरडी के साई, पर्ती के बाबा ॥
तुम हो हमारे प्यारे साई बाबा ॥
शिरडी---
प्रेम मया साई, प्रेम प्रदाता ॥
इश्वराम्बान्दन जगत परियाला ॥
पाप विनाश परम दयाला शिरडी के साई पर्ती---
महोब्बत के दाता जमाने के वाली ॥
मेरी साई बाबा की शान निराली ॥
तेरे घर में है द्वीप पानी से जलते ॥
नहीं देर लगती मुक्कदर बदलते ॥
हजारों ने अपनी, बिगडी बनाली ॥
मेरे साई बाबा की शान निराली ॥
हुई नीम मीठी जो तेरी नज़र है ॥
तेरे कच्चे तागे पे आबाद घर है ॥
मिले दिल के मकसद जो आया सवाली ॥
मेरे साई बाबा------
जमाने के लूटे, गमों सताये ॥

तेरे दर पे आये , तेरे दर पे आये ॥
दुआ कर दुआ कर गरीबों के वाली
मेरे साई बाबा की शान निराली
मेरे शिरडी बाबा------

34 शिरडी के साई बाबा ॥ तेरी दुहाई बाबा ॥
तेरी शरण हम आ गये, ओ साई तेरी शरण हम
जन्म जन्म का फल पागये ॥ ना कोई ऊचा, ना कोई नीचा ॥
तेरे इस दरबार में , बाबा तेरे इस दरबार में ॥
जो भी आये, सब कुछ पाये ॥ तेरे निर्मल प्यार में ॥
शिरडी के साई बाबा, तेरी दुहाई बाबा-----

35. मेरी भक्ति को सिद्धि देना मेरी साई मां ॥
मेरी भक्ति को देना सिद्धि जय साई मां ॥
जै सिद्धि धात्री मां तू सिद्धि की दाता है ॥
तू भक्तों की रक्षक तू दासों की साई मां ॥
तेरा नाम लेते ही मिलती है सिद्धि मां ॥
तेरे नाम से मन की होती है शुद्धि ॥
मेरी भक्ति को -------

कठिन से कठिन काम सिद्धि करती हो साई मा ॥
जभी हाथ सेवक के सिर धरती हो साई मां ॥
तेरी पूजा में न कोई विधि है तू साई मां सर्व सिद्धि है।।
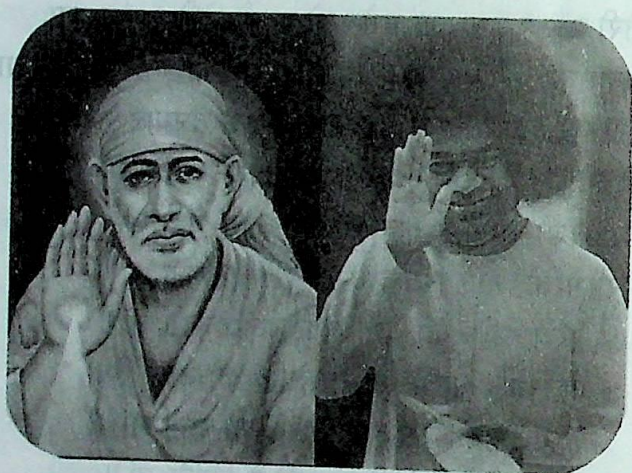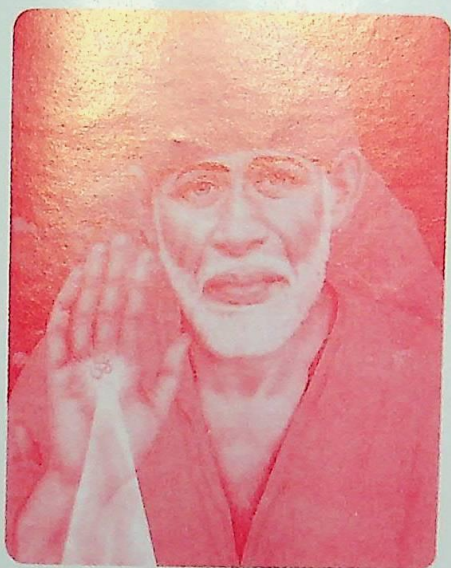
घर घर होवे साई प्रचार, राम ,राम राम, राम॥

तन मन करे साई प्रचार, राम, राम, राम राम॥

धर्म बरसे बार बार, राम , राम, राम, राम॥

ज्ञान हौवे अपरमपारू, राम, राम, राम, राम॥

ध्यान होवे लगातार, रामं , राम, राम, राम॥

कीर्तन करियो ब्रहस्पतवार साई राम, साई राम॥

शान्ति पावे अपरमपार, साई राम, साई राम॥

भेडा होवे सबका पार साईराम, साई राम॥

माफी दे दो बार बार साई राम, साई राम॥

मुक्ति दे दो एक ही बार साई राम, साई राम॥